भाजपा कभी जातीय आधार पर निर्णय नहीं करती: मुंडा

भोपाल (काप्र)।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बुधवार को स्टेट मीडिया सेंटर में प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मुंडा ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाला प्रदेश है। देश में सबसे अधिक शासन करने वाले दल कांग्रेस ने आदिवासियों का शोषण किया। वे सिर्फ सत्ता में बने रहने के लिए जनजाति समाज का इस्तेमाल करते रहे।

उन्होंने बीजेपी स्टेट मीडिया सेंटर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि एमपी में जनजाति आदिवासियों की संख्या देश में सर्वाधिक है, लेकिन कांग्रेस ने सरकार में रहते हुए जनजाति हितों की अनदेखी की। उन के अधिकारों पर प्रहार किया। इनकी नियत समझने के बाद जनजाति समाज ने भी इन्हें नकारने का काम किया है। कांग्रेस अपने मेनिफेस्टो में बहुत सारी बातें कर रही है, लेकिन ये सिर्फ एक छलावा और धोखा है। ये पहले भी ऐसा धोखा कर चुके हैं वायदे करके उनका इंप्लीमेंटेशन कभी नहीं किया। मुंडा ने कहा कि कांग्रेस के काल में आदिवासियों का पलायन हुआ। उनकी हालत दयनीय हुई। बीजेपी ने सरकार में आने के बाद आदिवासियों के लिए भरपूर काम किया। मोदी सरकार ने आदिवासी वर्ग हितैषी योजनाएं बनाई हैं। अब उनका परिणाम भी देखने को मिल रहा है। हमने आश्रम विद्यालय बनाए। आदिवासियों को ज्ञान से जोड़ा। उन्हें गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दी। उनके स्वास्थ्य के लिए उचित व्यवस्था की। आदिवासी क्षेत्रों के लिए विशेष अभियान चलाए। हमने फोकस होकर आदिवासियों के लिए काम किया। उन्हें हमेशा प्राथमिकता पर रखा। मुंडा ने कहा कि कांग्रेस का वचन पत्र बताता है कि वो घबराई हुई है। वो पुनः अपना स्थान बनाने में जुटी है। कांग्रेस ने आदिवासी भाईयों को दिया जाने वाला पैसा बंद कर दिया। योजना बंद कर दी। ऐसे में आदिवासी भाई सुविधाओं से वंचित हो गए। दिग्विजय सिंह सरकार में भी बैकलॉग, आरक्षण और स्वास्थ्य, शिक्षा के मामले में झूठे वायदे किए थे। अटल सरकार में जनजातीय समुदाय के लिए मिनिस्ट्री और आयोग बनाए गए हैं। जिनकी बात कांग्रेस आज करने की बात अपने वचन पत्र में कर रही है। लेकिन कांग्रेस का यह झूठ का पुलिंदा नहीं चलेगा।

इंडिया गठबंधन पर मुंडा ने कहा कि इनका ये गठबंधन देश हित के लिए नहीं है, सिर्फ सत्ता अपनाने के लिए है। पैसा एक्ट पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस कन्फ्यूज करके लाभ लेना चाहती है। महिलाओं की भागीदारी पर उन्होंने कहा कि हम इस बात के हमेशा पक्षधर रहे हैं। हमारा कमिटमेंट दिखा रहा है। एमपी में बीजेपी आदिवासी वर्ग से सीएम बनाएगी क्या इस सवाल के जवाब में मुंडा ने कहा कि ये फैसला विधायक दल करता है। वे अपना नेता चुनते हैं। भाजपा कभी जातीय आधार पर निर्णय लेने की बात नहीं करती है।

सरकार बनते ही स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनाएंगे : कमलनाथ

भोपाल (काप्र)।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बुधवार को सोशल मीडिया पर शिवराज सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेकर कहा कि 18 साल के कार्यकाल में मध्य प्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में देश के सबसे पिछड़े राज्यों में शामिल कर दिया है। यहां बीमार और गर्भवती महिलाओं को एंबुलेंस नहीं मिलती, आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज नहीं मिलता, मृतकों का उपचार दिखाकर घोटाला किया जाता है और व्यापम तथा नर्सिंग कॉलेज जैसे घोटालों से प्रदेश की छवि खराब की जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इन हालात को बदलने का संकल्प लिया है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही हम स्वास्थ्य का अधिकार कानून बनायेंगे। प्रदेश के नागरिकों के लिए वरदान स्वास्थ्य बीमा योजना प्रारंभ करेंगे, जिसमें परिवार सहित 25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा एवं 10 लाख का दुर्घटना बीमा शामिल रहेगा।

भाजपा महिला मोर्चा की आज 9 संभागों में बैठक

भोपाल (काप्र)।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों की दृष्टि से भाजपा महिला मोर्चा के 9 संभाग की प्रवासी, विधानसभा प्रभारी और संभाग प्रभारी बहनों की बैठक 26 अक्टूबर को सभी संभागीय मुख्यालय पर आयोजित की गयी। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग की बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय भोपाल में सुबह 11 बजे होगी। बैठक को मोर्चा की चुनाव प्रभारी श्रीमती साल्वी शलाका और महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया ने बताया कि ग्वालियर एवं चंबल संभाग की बैठक ग्वालियर जिला कार्यालय में सुबह 11 बजे होगी। बैठक को महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं चुनाव प्रभारी श्रीमती रेखा गुप्ता का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। रीवा शहडोल संभाग की बैठक रीवा जिला कार्यालय में दोपहर 1 बजे होगी। जिसे संभागीय प्रभारी श्रीमती प्रमोद कुमार राजपूत संबोधित करेगी। इसी प्रकार सागर संभाग की बैठक सागर जिला कार्यालय में आहूत की गयी है। जिसका मार्गदर्शन संभागीय प्रवास प्रभारी श्रीमती रीता शास्त्री का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इंदौर एवं उज्जैन संभाग की बैठक इंदौर जिला कार्यालय में सुबह 11 बजे संपन्न होगी। जिसका मार्गदर्शन महिला मोर्चा की प्रदेश प्रभारी एवं सांसद श्रीमती दर्शना सिंह करेगी। जबलपुर संभाग की बैठक 2। अक्टूबर को जबलपुर संभागीय कार्यालय में आयोजित होगी। जिसे पार्टी की प्रदेश महामंत्री व सांसद और मोर्चा की प्रदेश प्रभारी सुश्री कविता पाटीदार संबोधित करेगी।

भाजपा सरकार में 85 प्रतिशत मिलावट के मामले लंबित, सरकार चुप बैठीः अलका

भोपाल(काप्र)।

अभा कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि कहा कि वर्तमान स्थिति में मप्र के हालात बेहद चिंताजनक है। सीहोर में पनीर फेक्टरी के सेम्पल दो बार फेल हो जाते हैं, छापे में 36 लाख पाम आयम मिला है, एनजीटी की रोक के बाद भी उत्पादन हो रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज लोगों को जहर परोसा जा रहा है। प्रदेश सरकार ने लोगों की जिंदगियों के साथ खिलवाड़ किया है। दूध, पनीर, खोया, सभी में मिलावट की जा रही है, बच्चे, बुर्जुग सभी मिठाई के शौकीन होते हैं, लेकिन उनकी जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। मिठाईयों की जांच नहीं हो पा रही है, त्यौहार के समय पर 36 लाख टन पाम तेल में मिलावट पाई गई है, लेकिन फिर भी सरकार सो रही है। त्यौहार के समय पर मिठाइयों में मिलावट हो रही है और सरकार चुप बैठी है, क्योंकि मिलावट माफिया से समझौता कर चुकी है आज की सरकार। हर तरह का माफिया सरकार पर पूरी तरह से हावी हो चुका है। भाजपा विधायक ने शिकायत की थी कि गुटखा में भी मिलावट है तो उनको भाजपा से निकाल दिया गया। उन्होंने कहा कि मप्र के मंत्री तुलसी सिलावट ने आज से चार साल पहले मिलावट खोरो को चुनौती दी थी, लेकिन अब क्या हो गया। एक मिलावट खोर को बचाने के लिए दिल्ली गृह मंत्रालय तक दरवाजे खटखटाये गये। कीर्तिवर्धन केलकर संघ आरएसएस से जुड़े हुये हैं रेड हुई, छापे पड़े लेकिन उन्हें बचा लिया, क्योंकि मामला बड़े नेता का था और ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। भिण्ड जिले में 2011 से अभी तक 85 प्रतिशत खाद्य मिलावट के मामले लंबित है, यानि केस हुए पर कोई कार्यवाही नहीं हुई, उल्टा चोर दरवाजे से समझौता कर लिया गया। प्रदेश में बेरोजगारी है, महंगाई है इसका सबसे बड़ा कारण है केंद्र की सरकार जो अपनी पीठ खुद थपथपाती है, करोड़ों लोगों को आज भी न खाने वाले अनाज पर निर्भर होना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि गुटखे में मिलावट तो सुनी थी, लेकिन मध्यप्रदेश में बच्चों के आहार में भी मिलावट है, राशन में मिलावट है। उन्होंने कहा कि यदि मिलावटखोरी पर रोक नहीं लगी तो हम दिल्ली मंत्रालय के दरवाजे खटखटायेंगे। सुश्री अलका लांबा ने कहा कि वहीं सरकारी गेहूं का वजन बढ़ाने के लिए मिलावट की जा रही है, वहीं बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं, उनका वजन कम हो रहा है। अलका लांबा में कहा कि भिंड जिले में मिलावट के 2011 से लेकर 2023 तक के 85 प्रतिशत मामलों में कोई कार्रवाई या कोई सजा नहीं हुई है। आज मैं देश की सरकार से पूछना चाहती हूं कि 80 करोड़ लोगों को राशन देने का दावा करने वाली सरकार बताए कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आखिरकार रोजगार देने में विफल क्यों रही है, महंगाई कम क्यों नहीं हो रही है। प्रदेश में 78000 बच्चे जो आदिवासी समाज से आते हैं वह मिलावट और कुपोषण की वजह से दम तोड़ रहे हैं।

इंडिया गठबंधन को एक और झटका, प्रदेश में...

अब नीतीश कांग्रेस को देंगे टक्कर

भोपाल (काप्र)।

मप्र विधानसभा चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन में आपसी लड़ाई देखने को मिल रही है। पहले समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ बागी तेवर दिखाए फिर अब जेडीयू ने इस गठबंधन को झटका दे दिया है।

जेडीयू ने मप्र विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली लिस्ट में जेडीयू के 5 उम्मीदवारों का नाम है। जेडीयू ने जिन पांच उम्मीदवारों की घोषणा की है उनमें पिछोर विधानसभा सीट से चंद्रपाल यादव, राजनगर से रामकुंवर (रानी) रैकवार, विजय राघवगढ़ सीट से शिव नारायण सोनी, थांदला विधानसभा सीट से तोल सिंह भूरिया और पेटलावद रामेश्वर सिंघार को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी द्वारा सूची जारी करने के तुरंत बाद बिहार के राजनीतिक हलकों में यह चर्चा जोरों पर है कि क्या इंडिया गठबंधन आत्म-विनाश मोड में आ गया है। बिहार के महागठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। कांग्रेस और राजद दोनों ही संबंधित दलों को बिहार सरकार में दो अतिरिअ मंत्रियों की नियुअि का इंतजार है। नीतीश ने जब पटना में विपक्षी एकजुटता मुहिम की शुरुआत की थी तब विपक्ष में शामिल कई दलों के नेताओं की मेजबानी करते हुए नीतीश कुमार ने यह भरोसा दिलाया था कि अब भाजपा के खिलाफ तमाम विपक्षी दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे और भाजपा या एनडीए के उम्मीदवारों के सामने इंडिया गठबंधन की तरफ से केवल एक साझा उम्मीदवार दिया जाएगा। लेकिन मौजूदा विधानसभा चुनाव में नीतीश की पार्टी का धैर्य टूट गया और मध्य प्रदेश में जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच आमने-सामने की टक्कर है, वहां जेडीयू ने अपने उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतार दिया है। नीतीश की पार्टी के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद भाजपा ने जेडीयू पर तंज कसा है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक ने कहा है कि नीतीश कुमार का धैर्य इसलिए टूट गया, क्योंकि उनकी पार्टी को किसी गठबंधन में तरजीह नहीं मिल रही है। जब जेडीयू को कोई पूछ नहीं रहा है तो वह अब अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रहा है। भाजपा ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव के पहले ही इंडिया गठबंधन धराशाई हो गया है।

भाजपा की तरफ से निशाना साधे जाने के बाद जेडीयू ने भी अपनी तरफ से पहली प्रतिक्रिया दी है। जेडीयू के प्रदेश प्रवक्ता राहुल कुमार ने कहा है कि संगठन और चुनावी विस्तार के मकसद से उनकी पार्टी ने मध्य प्रदेश में उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी अपनी ताकत देखना चाहती है और जो लोग भी इस पर सवाल उठा रहे हैं वह केवल राजनीति कर रहे हैं। जेडीयू का कहना है कि राजनीतिक मकसद से चुनाव मैदान में उतरने में कोई हर्ज नहीं है।

उधर, आरजेडी ने भी जेडीयू उम्मीदवारों के मैदान में उतरने पर सफाई दी है। आरजेडी का कहना है कि लोकसभा की आगामी चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन में की रूपरेखा तय की गई है, मौजूदा विधानसभा चुनाव में सभी दल अपने-अपने हिसाब से उम्मीदवार उतार रहे हैं। जहां संभव हो रहा है, वहां विपक्षी दल एक दूसरे की मदद भी कर रहे हैं। आरजेडी का दावा है कि लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन इंडिया भाजपा का सफाई कर देगी। जेडीयू उम्मीदवारों की घोषणा के बाद भले ही आरजेडी सफाई दे रही हो लेकिन हकीकत यही है कि जेडीयू के उम्मीदवारों की अभी केवल पहली सूची जारी हुई है, यानी इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि आने वाले दिनों में जेडीयू के और उम्मीदवार भी मैदान में होंगे। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि जेडीयू क्या दूसरे राज्यों में भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतरता है? अगर ऐसा हुआ तो नीतीश की तरफ से शुरू की गई विपक्षी एकजुटता की मुहिम को उनकी ही पार्टी की तरफ से यह सबसे बड़ा झटका साबित होगा।

इससे पहले सपा ने भी बागी तेवर दिखाते हुए कांग्रेस से अलग अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया। इस बीच काफी बयानबाजी भी हुई। दरअसल चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में सीटों के बंटवारे को लेकर अखिलेश यादव कांग्रेस पर जमकर बरसे। चुनावी सरगर्मी के बीच बढ़ी तल्खियों का स्तर इतना बढ़ गया कि उन्होंने कांग्रेस नेताओं के लिए चिरकुट जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर दिया। इसके बाद यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जो व्यअि अपने पिता का सम्मान नहीं कर सका, वह हम जैसे लोगों का क्या सम्मान करेगा? इस पर अखिलेश ने पलटवार किया और कहा कि कुछ लोग बुजुर्ग होते हैं, उनके संस्कार गलत होते हैं। कभी किसी के पिता और मां-बहन के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। सपा और कांग्रेस के बीच इंडिया गठबंधन और बैठकों के समय सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन जैसे ही मध्य प्रदेश में सीट शेयरिंग की बात आई तो बात बिगडने लगी। दरअसल, एमपी में समाजवादी पार्टी ने अपने 22 कैंडिडेटों के नाम का ऐलान किया था, इससे कांग्रेस बिफर गई और कहा कि अगर सपा इतनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी तो सीधे-सीधे भाजपा को इससे फायदा होगा। जब ये बात राजनीतिक गलियारों में फैली तो अखिलेश यादव ने कहा कि अगर हमें पता होता कि विधानसभा स्तर पर गठबंधन नहीं है तो ना हम मीटिंग में जाते और ना ही कांग्रेस नेताओं के फोन उठाते। कांग्रेस की इस तल्खी को लेकर अखिलेश ने कहा था कि रात 1 बजे तक कांग्रेस नेताओं ने सपा नेताओं को बैठाकर रखा और बातचीत की। आश्वासन दिया कि कांग्रेस सपा के लिए 6 सीटों पर विचार करेगी। लेकिन जब लिस्ट आई तो उसमें सपा के एक भी उम्मीदवार को जगह नहीं दी गई।

विकास नहीं विभाजन की राजनीति करती है कांग्रेसः डॉ. मिश्रा

भोपाल (काप्र)।

भाजपा प्रत्याशी व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा चुनाव प्रचार में दर्जनों गाँव व शहर के वार्डो में लोगों से सीधे संवाद कर चुके हैं।

बुधवार को भी डॉ. मिश्रा ओरिना, सिजोरा सहित लगभग एक दर्जन गाँव पहुँचे और ग्राम वासियों से भाजपा सरकार कि कल्याणकारी योजनाओं पर सीधे संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विकास की नही विभाजन की राजनीति करती है। कांग्रेस का काम ही यही है भय व भ्रम फैलाओ, विभाजन करो और वोट लो। डॉ. मिश्रा ने अपने चुनाव प्रचार कि शुरुआत ग्राम ओरिना से की। भाजपा प्रत्याशी का प्रचार काफिला जैसे ही वहां पहुँचा ग्राम वासियों ने नरोत्तम मिश्रा जिंदाबाद, जो विकास की बात करेगा वह दतिया पर राज करेगा नारे से क्षेत्र गूंजा दिया। नुक्कड़ सभा स्थल पहुंचते ही लोगों ने डॉ. मिश्रा को हार-मालाओं से लाद दिया। ग्राम के बुजुर्गों ने डॉ. मिश्रा का तिलक लगाकर स्वागत किया और विजयी होने का आशीर्वाद दिया।डॉ. मिश्रा को सुनने सभा स्थल पर भारी भीड़ देखी गयी। इनमें महिलाओं के साथ साथ किशोरियां भी बड़ी संख्या में थी।

बसपा के वरिष्ठ नेता रामसेवक पाल भाजपा में शामिल

बहुजन समाज पार्टी में चंबल जोन प्रभारी सहित बसपा के विभिन्न पदों पर रहे रामसेवक पाल (दतिया) ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर प्रदेश सरकार के गृह मंत्री व दतिया से पार्टी प्रत्याशी डॉ नरोत्तम मिश्रा के स समक्ष भाजपा में शामिल हुए। डॉ मिश्रा ने पुष्प माला पहनाकर रामसेवक पाल का स्वागत किया। इस अवसर पर हरिराम पाल, मनोहर फौजी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष कैलाश बघेल सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री और नरसिंहपुर से भाजपा प्रत्याशी प्रहलाद पटेल ने बुधवार को अपना नामांकन जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए।

टिकट के लिए आप में बवाल

कार्यकर्ताओं ने की कार्यालय में तोड़फोड़

भोपाल(काप्र)। मप्र में विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल करना शुरू कर दिया है। फिर भी राजनीतिक दलों में नाराजगी रूकने का नाम नहीं ले रही है। कटनी जिले में आम आदमी पार्टी दफ्तर में पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया और तोड़फोड़ की।

दरअसल, विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक उम्मीदवार का नाम मुड़वारा विधानसभा का जारी होने से आम आदमी पार्टी की अन्य विधानसभा के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों में गुस्सा देखा गया है। मुड़वारा विधानसभा से आम आदमी पार्टी ने जिला अध्यक्ष सुनील मिश्रा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। विजयराघवगढ़ बड़वारा और बहोरीबंद विधानसभा के प्रत्याशी अभी तक घोषित नहीं किए गए हैं। जिसको लेकर कार्यकर्ताओं में नाराज़गी दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पार्टी के कार्यालय पहुंचे और अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कार्यालय की कुर्सियां फेंकने लगे और नारेबाजी कर जमकर हंगामा किया। आम आदमी पार्टी के विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नाम घोषित ना होने पर गुस्साए कार्यकर्ताओ ने पार्टी कार्यालय का घेराव करते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया। ये कार्यकर्ता बहोरीबंद, विजयराघवगढ़ और बड़वारा विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशियों के नाम की लिस्ट घोषित ना होने पर नाराज थे। नाराज़ कार्यकर्ताओं का कहना है कि अगर जल्द लिस्ट जारी नहीं की जाती है इसके लिए हम भोपाल तक प्रदर्शन करने पर विवश होंगे। हालांकि आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुनील मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर सभी को शांत कराते हुए आलाकमान से पूरे मामले पर चर्चा करने की बात कही है।